R.N.I. NO: MAH MUL/2011/40056

LOOK N LEARN

Vol No. 11 • Issue No. 24 • Mumbai • 25th January 2021 • Price : Rs 5 (Multilingual Fortnightly)

जहाँ सबको शरण वह है...

समवशरण

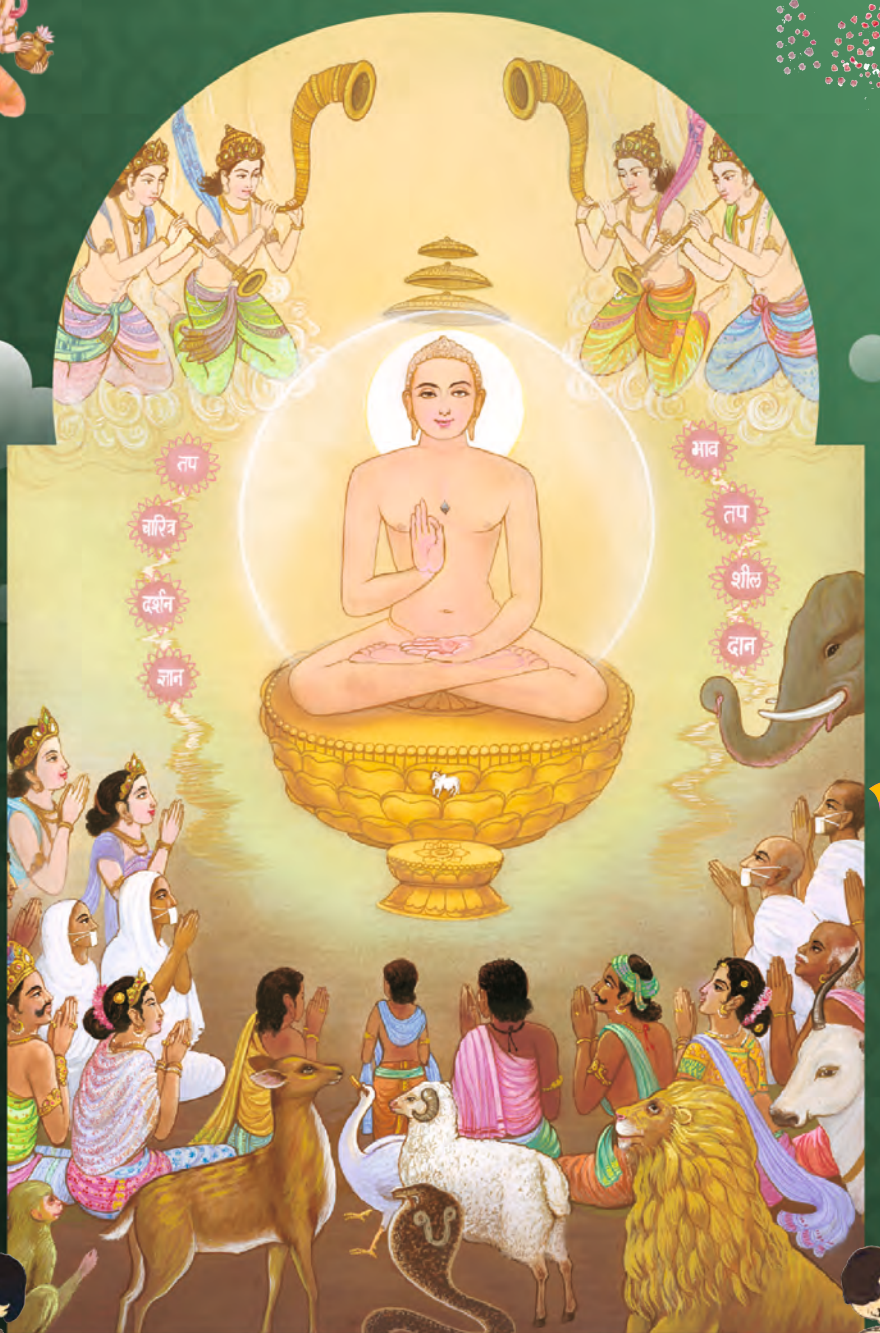

Year - 14, Vol: 16, Issue: 03, Date: 25.01.2021
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

Yes... Right... It is Samavasaran!

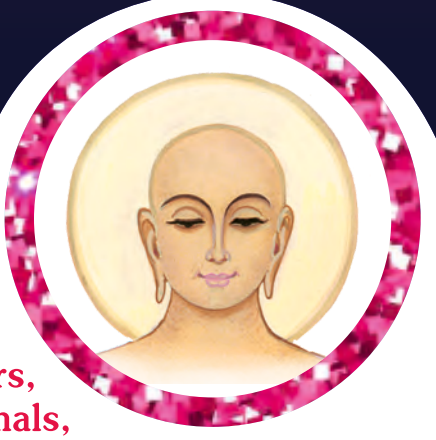

एक ऐसी जगह जहाँ दुनिया के सभी अजूबे एक साथ देखने को मिले, जहाँ आने के बाद, जाने का मन ना हो, जहाँ मनुष्य भी है, देवता भी है और पशु-पक्षी भी है, ऐसी दिव्य जगह जहाँ पॉज़िटिव वाइब्रेशन्स की अनुभूति हो उसे समवशरण कहतें है।

A place where one witnesses all the wonders, a place where one desires to stay back, where animals, humans and celestial beings co-exist, a place which is divine and one always experiences positive vibrations is called Samavasaran.

स्वर्ग के देवो को परमात्मा के प्रति अत्यंत भक्ति-भाव है। वे अपने हृदय के भावों को परमात्मा के चरणों में रखने की इच्छा करते है। सब जीव परमात्मा के दर्शन करने के लिए आए और उन्हें धर्म का ज्ञान प्राप्त हो ईसलिए वे समवशरण की रचना करते है।

It is an expression of devotion by the celestial beings towards their beloved Parmatma. They desire to offer their heartfelt gratitude at the lotus feet of Parmatma. It attracts many to come, so that they tread on the divine path and seek Parmatma's blessings, hence the celestial beingscreate Samavasaran.

जब परमात्मा को केवलज्ञान होता है तब देवलोक के देव ४८ मिनिट से भी कम समय में समवशरण की रचना करते है।

When Tirthankar attains Kevalgnan, the celestial beings create the majestic Samavasaran in less than 48 minutes.

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription for 10 years
India : Rs. 1000/-
Abroad : Rs. 5000/-

परमात्मा को केवलज्ञान हुआ इसकी जानकारी देवो को कैसे होती है?

How does one know that Parmatma has attained Omniscience?

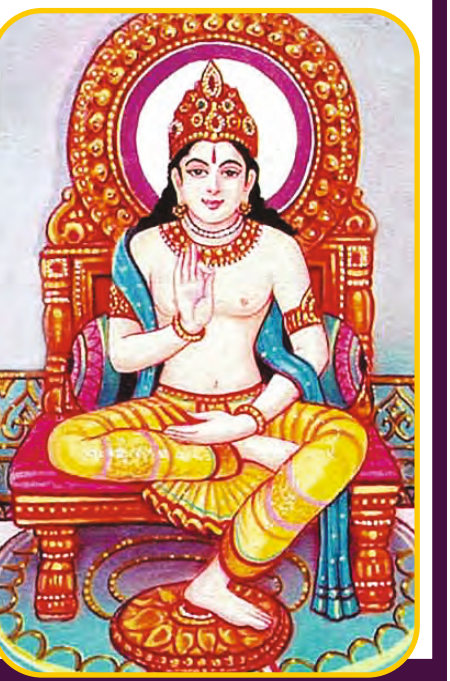

जब परमात्मा को केवलज्ञान प्रगट होता है तब देवताओं के राजा इन्द्र का सिंहासन चलायमान होता है। परमात्मा के पॉज़िटिव वाइब्रेशन्स विश्व में फैलते है।

When our Parmatma attaines Omniscience, the majestic throne of lord Indra, (the King of celestial beings) begins to shake. Parmatma's positive vibrations spread in the entire Universe.

मैं आज समवशरण नहीं जा सक्ता तो क्या हुआ....

समवारण में परमात्मा दर्शन की अनुभूति करने की भावना करुं और मेरे आस पास सर्वत्र सद्गुणों के समवशरण की रचना करुं

आआ, आज हम समजे की कैसे बनाए सद्गुणोंओ का समवशरण .....

So what if today I am not able to go to Samavasaran...

Let me imagine the experience of doing darshan of Parmatma in the Samavasaran and in doing so let me create a Samavasaran of good qualities around me.
Let's understand today how to create a Samavasaran of good qualities...

Just like the celestial beings, we too have the potential to spread the divine words of Parmatma!

How? Let us see...

समवशरण में परमात्मा के दिव्य वाइब्रेशन्स के कारण हर एक जीव वहाँ निर्भयता का अनुभव करता हैं। बच्चों क्या आप जानते हो कि वहाँ हिरन शेर के बाजू में बैठकर, कुत्ता बिल्ली के पास में बैठकर परमात्मा कि वाणी सुनते हैं।

The divine vibrations of Parmatma makes every jiv in the Samavasaran experiences fearlessness. A lion and a deer, a cat and a mouse all sit next to each other and listen to Parmatma's message.

में भी अपने आसपास निर्भयता के गुणों से समवशरण कि रचना कर सकता हूँ। मैं हर रोज नमोत्थुणं का स्मरण करके निर्भय बनूँगा और अपने आस पास के जिवों को भी भय से मूक्त रखूँगा। जैसे:-

I too can create a Samavasaran around me by being fearless. I will chant Namotthunam everyday and become fearless. I will also help all the jiv around me to be fearless. For Eg:

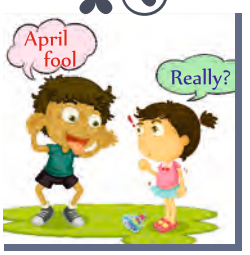

मैं किसी को डराऊँगा नहीं, एप्रिल फूल नहीं बनाऊँगा

I will not scare anyone or fool them

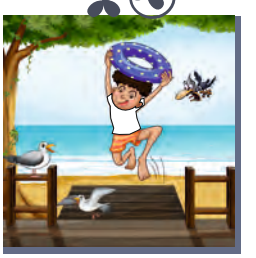

मैं आसपास के पक्षीयों को डराऊँगा नहीं

I will not scare the birds

में ताली बजाकर छोटे जीवों को डराऊँगा नहीं

I will not hurt or scare any smallest jiv by clapping hands

मैं पक्षीयों को डराऊँगा नहीं

I will not scare birds

लो बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण निर्भयता/निडरता के भावो से...

"नमो जिणाणं जियभयाणं"

In this way with bravery, I too have created my small samavasaran.

"Namo Jinanam Jiya Bhayanam"

समवशरण में सिर्फ मनुष्यों और देवों को ही नहीं लेकिन तिर्यंच जीवों को भी आने कि अनुमति होती है। परमात्मा तो तिर्यंच जीवों के लिए भी करुणा बरसाते हैं।

Not only human and celestial beings, but Tiryanch (birds and animals) are also present at Samavasaran. When Parmatma can shower so much compassion for Tiryanch jiv also then what should I be doing?

मैं अपने आसपास, जीवों कि मदद कर के अपने छोटे से समवशरण कि रचना कर सकता हूँ! जैसे

I can help the living beings around me and create my own Samavasaran. For eg.

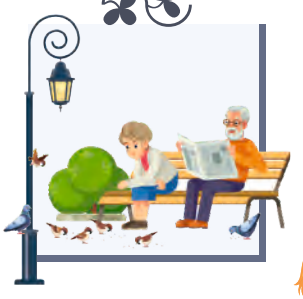

पक्षीयोंको
दाना देना
Give grains
to birds

गाय को
रोटी देना
Give chapati
to cow

कुत्ते को
बिस्कीट देना
Give biscuits
to dogs

चिंटीओं को
चीनी देना
Give sugar
to ants

लो बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण, करुणा के भावों से

"मित्ती मे सव्व भूएसु"

In this way with compassion, I too have created a small Samavasaran around me .

"Mitti me Savva Bhuyesu"

परमात्मा समवशरण में देशना मालकोस राग में ३५ अतिशय रहीत वाणी का उपयोग करते हुए देते हैं। उनकी भाषा में सत्य के सिवाय कुछ नही होता। उनकी वाणी सरल, मधुर, शिष्टता सूचक और लाभदायी होती हैं।

In Samavasaran, Parmatma speaks in Malkosh raag adorned with 35 Atishay. He speaks only truth. His language is simple, pleasant, disciplined and beneficial to all.

मैं भी अपने आसपास अपनी वाणी में विनय भाव लाकर, अपना स्वर मधुर बनाकर अपने आसपास समवशरण की रचना कर सकता हूँ। जैसे :–

I too can create a Samavasaran around myself by always talking politely with all and also by keeping my tone softer. For eg.

मैं सभी से विनय, विनम्र भाषा में बात करुँगा

I will always talk politely & respectfully with everyone

मैं हमेंशा सत्य बोलूँगा

I will always speak truth

किसी को दुःख पहूँचे ऐसे कटू वचन का उपयोग नहीं करुँगा

I will not use language that can hurt anyone

मैं किसीकी चुगली नहीं करूँगा और मैं कभी झूठी गवाहीं नहीं दूँगा।

I will not gossip nor give false testimony

लो बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण विनय के भावो सें
"सक्कारेमी सम्माणेमी"

In this way with respect/vinay, I too have created my small Samavasaran
"Sakkaaremi Sammaanemi"

समवशरण में परमात्मा ३ प्रहर जगत के जीवों के कल्याण के लिए देशना देते हैं। यह वाणी सुनकर जगत के अनेक जीव सिद्धत्व को और सम्यकत्व को प्राप्त कर सकते हैं।

In the Samavasaran, Parmatma gives Deshana for 3 prahar for the benefit of all jeev. Many jeev achieve Siddhatva or Samyakktva by listening to His preachings.

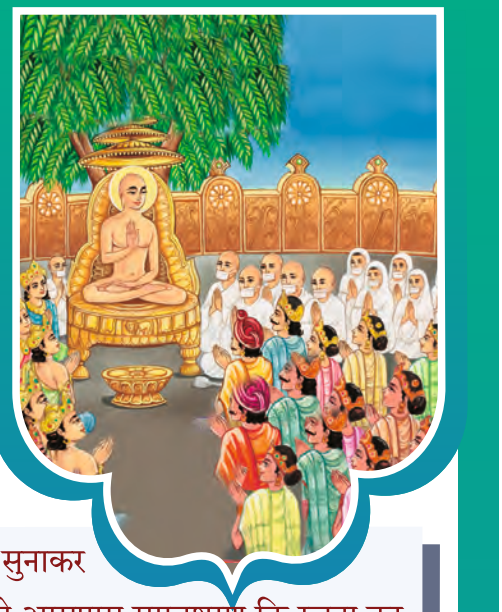

मैं भी अपने आसपास के तिर्यंच जीवों को नमस्कार मंत्र सुनाकर और महीने में ३ नोन जैन व्यकती को नमस्कार मंत्र सीखाकर अपने आसपास समवशरण कि रचना कर सकता हूँ! जैसे..

I can also chant/recite 3 Namaskar Mantra in front of any Tiryanch or teach Namaskar Mantra to 3 non Jain people in a month and create my own Samavasaran. For eg.

मैं ज्ञान की वस्तुओं की प्रभावना करुंगा

I will give prabhavana of things related to knowledge

मैं अपने सहायक को नमस्कार मंत्र सुनाऊंगा

I will teach my helper Namaskar Mantra

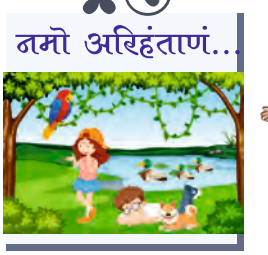

मैं अपने आसपास के पशु पक्षीयों को नमस्कार मंत्र सुनाऊंगा

I Will recite Namaskar Mantra for bird & animals around me

मैं अपने आसपास दर्द से पिडित जीवों को नमस्कार मंत्र सुनाऊंगा

I Will recite Namaskar Mantra in front of jeeva that are in pain

लो ज्ञान की अनुमोदना के भावों से बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण,

"नमो नाणस्स"

In this way by sharing knowledge, I too have created a small Samavasaran around me, "Namo Nanassa"

परमात्मा की ओरा इतनी शुद्ध और पवित्र होती हैं कि परमात्मा जहाँ जाते है वहा समवशरण अपने आप बन जाता हैं। परमात्मा जहाँ विहार करते है वहाँ ऋतुएँ अनुकूल होती है, रोग आदि उपद्रव नहीं होते हैं। क्या आपने कभी परमात्मा को या परमात्मा कि कोई छबी या मूर्ती को कभी दुःखी देखा है ? नहीं ना!

Parmatma's aura is so pure and positive that a samavasaran is effortlessly created. Wherever Parmatma does vihar a suitable pleasant environment and weather is created and there is no place for any diseases and illness. Have you ever seen a sad face of Parmatma? Never

मैं भी अपनी ओरा शुद्ध बनाकर, चारों तरफ खुशहाली-स्मीत फेलाऊँगा और अपने आसपास मैत्री भाव और करुणा भाव का वातावरण बनाकर एक समवशरण की रचना करुँगा। जैसेः-

I too will make my aura pure and spread happiness to create an environment of friendship, compassion and love around me which will create a small Samavasaran.

सबसे मिलने पर अपने चेहरे पर मुस्कुराहट रखूँगा

I will greet people with a smile

मैं अपनी वस्तुए सब के साथ बाटूँगा

I will share my things with everyone

मैं कमजोर/हताश व्यक्ति को हिम्मत दूँगा

I will give courage to those who are weak or disappointed

मैं जरुरीयातमंद की मदद करके उनके चेहरे पर मुस्कान लाऊँगा

I will help the needy and bring a smile on their face

लो बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण, मैत्री के भावों से
"शुभ थाओ आ सकल विश्वनुं"

In this way with friendship, I too have created a small Samavasaran around me .
"Shubh thao aa sakal vishwa nu"

परमात्मा सदा सबको शरण देते हैं।

शरण देना यानी रक्षा करना...

अन्य को जो दे शरण,

मिले उसे परमात्मा की शरण

Parmatma always gives refuge to everyone.
Do your best and
Parmatma will do the rest

मैं भी अपने आस पास के जीवों को शरण देकर अपने समवशरण की रचना करुँगा। जैसेः

I too will give refuge to all the jiv around me and create my own Samavasaran For eg.

मैं पक्षीयों के घोसलें को तोडूँगा नहीं
I will not destroy birds nest

मैं पशु पक्षीयों को परेशान नहीं करुँगा
I will not trouble animals

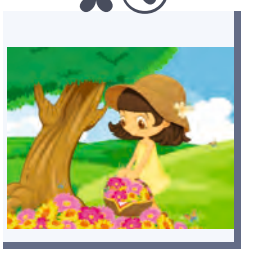

मैं फूल पत्तें नहीं तोडूंगा
I will not pluck leaves and flowers

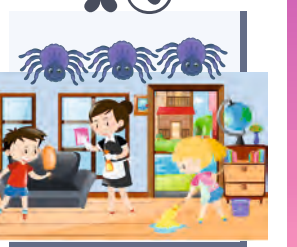

मैं घर में सफाई रखूँगा जिससे मकडी के घर को तोड़ना न पड़े
I will keep my home clean so that I don't have to break spider webs

लो बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण, सभी जीवों को शरण देने की भावना से "अभयदयाणं"

In this way by giving shelter to all the jiv I too have created a small Samavasaran around me. "Abhayadayaanam"

समवशरण में परमात्मा अपनी देशना शुरु करने से पहले "नमो तित्थस्स" कहते हैं। यानी परमात्मा 'तीर्थ' को प्रणाम करके देशना शुरु करते है

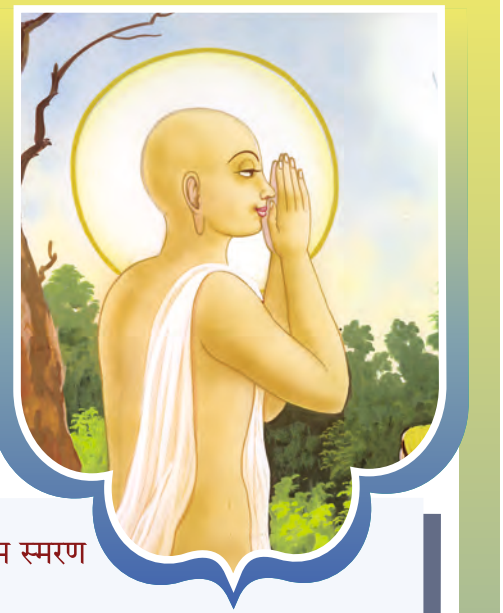

Before starting discourse in the Samavasaran, Parmatma says "Namo Tithassa" that means... I bow down to "Tirth".

मैं भी अपने हर कार्य शुरु करने से पहले परमात्मा का नाम स्मरण करके अपने आस पास समवशरण की रचना कर सकता हुँ। जैसेः–

Before starting any work of mine I will remember Parmatma and create my own Samavasaran around me. For eg.

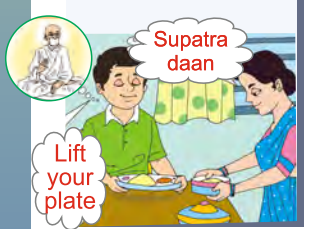

भोजन आरंभ करने से पहले सुपात्रदान की भावना करुँगा

I will intent to offer (sadd bhavna), do supatradaan before I begin to eat

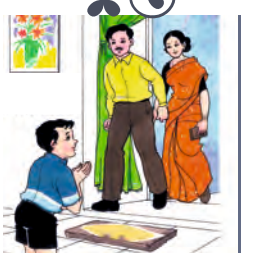

सबको "जय जिनेन्द्र" कहूँगा

I will greet Jai Jinendra to everyone

घर से बाहर जाते समय "नमो अरिहंताण" बोलूँगा

I will say 'Namo Arihantanam" before leaving home

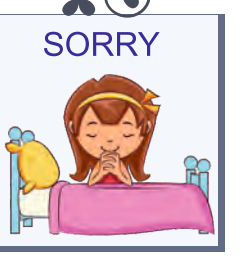

रात को सोने से पहले जगत के सर्व जीवों से माफी माँगते हुए "तस्स मिच्छामी दुक्कडम" कहूँगा

I will ask forgiveness from all the jiv before I sleep at night by saying 'Tassa micchami dukkadam'

लो बन गया मेरा भी छोटा सा समवशरण, मन के शुद्ध भावों से "तिन्नाणं तारयाणं"

In this way as my thoughts become pure, I too have created a small Samavasaran around me. "Tinnaanam Taarayaanam"

समवशरण कि रचना देवो द्वारा टीम वर्क का प्रतिक हैं। सभी देव मिलकर ४८ मिनिट से कम समय में अद्भुत ऐसे समवशरण की रचना करते हैं।

Samavasaran is a symbol of teamwork by the celestial beings. In less than 48 mins all the celestial beings work together to create an majestic Samavasaran.

मैं भी अपनी टीम के साथ मिल झुलकर कार्य करुँगा और अपने आसपास समवशरण की रचना करुँगा। जैसेः

I too will work efficiently in a team and create my own Samavasaran around me. For eg.

मैं अपनी टीम के सभी सदस्यों को सम्मान दूँगा।

I will respect the suggestions of all my team members.

मैं सभी के साथ मिलझूलकर काम करुँगा।

I will work cohesively with everyone.

मैं अपनी टीम की कार्य क्षमता पर विश्वास रखता हुँ।

I have confidence in the strength of my team members.

मैं किसी भी टीम के सदस्य को कमजोर नहीं मानूँगा।

I will not belittle any team member.

मैं भी अपनी टीम के साथ मिलझूलकर कार्य करुँगा और अपने आसपास समवशरण की रचना करुँगा।

"जो सब के साथ रह सक्ता है, वहीं मोक्ष में रह सक्ता है"

I too will work efficiently in a team and create my own Samavasaran around me

"He who can live with all, can live in Moksh "

पूज्य तपसम्राट गुरुदेव का समवशरण

तपसम्राट गुरुदेव पूज्य रतिलालजी महाराज साहेब जब साधना करते थे तब अनेक पशु पक्षी उनके पास आकर शांती का अनुभव करते थे। बच्चों आपको मालूम हैं एक बार एक शेर भी आकर तप सम्राट के दरवाजे पर शांती से बैठकर उनकी दिव्य आभा/ओरा में लीन हो गया था। तो है ना यह भी हमारे पूज्य तपसम्राट गुरुदेव का समवशरण।

When Tapsamrat Ratilalji Maharaj saheb would do sadhana, numerous animals and birds would come near him and experience peace. Once even a tiger came to his door and sat peacefully in his divine aura. This is the Samavasaran of Tapsamrat gurudev.

"मत्थएण वंदामि"

तपसम्राट पूज्य गुरुदेव श्री रतिलालजी महाराज साहेबनो
०८-०२-२०२० ना २३ मो स्मृतिदिवस...

तपसम्राट की करुणा और मैत्रीभाव, मौन साधना और समताभाव
चरण शरण में वंदना करे अहोभाव से आज हम अभिवंदना करे...

आजीवन मौन साधना तेमनी,
संयम साधनाने वंदना अभिवंदना!
जीवदया अने तप आराधना तेमनी
संयम साधनाने वंदना अभिवंदना!
मळजो मुजने तेमना जेवी संयम साधना...
भावु शुभ भावना!

आवा विरल व्यक्तित्वने शतःशतः शुभ भावोनी अभिवंदना

दीदीयों का छोटा सा भाव समवशरण

बच्चों हमारी लुक एन लर्न की दीदीयाँ, जब बच्चों को परमात्मा का बोध देती है तब वे दीदीया भी अपने भाव समवशरण की रचना करती हैं।

Kids, when our Look n learn didi teaches preaching of Parmatma to a child, She creates a bhaav Samavasaran of her own.

Follow the footprints of Parmatma to become like Him!

Choose the right virtues from the chart and write in the footprints.

Compassion	Politeness	Hinsa	Ego
Aparigarha	Parigraha	Anger	Ahimsa
Stealing	Truthfulness	Kindness	Gratitude

Diksha Bhakti song

Ek haath ma Rajoharan ane ek haath ma Paatra,
Vihar panthe chalti rehshe mari aatmayatra...
Aho Diksha... (4)
Ek haath ma Rajoharan ane ek haath ma Paatra,
Vihar panthe chalti rehse mari aatmayatra...

Guru tamara pagle pagle pa pa pagli maandi,
Shwase shwase Prabhu milan ni ek jhankhna rakhi,
Ek haath ma Rajoharan ane ek haath ma Paatra,
Vihar panthe chalti rehse mari aatmayatra...
Aho Diksha... (4)

Mastake mundan maru hase ne mukh par vehti muskaan,
Vairagya bharya harek pagle karshu mukti prasthaan,
Ek haath ma Rajoharan ane ek haath ma Paatra,
Vihar panthe chalti rehse mari aatmayatra...
Aho Diksha... (4)

Aaje tamari Diksha thaay ne kaale maari Diksha,
Tamara pagle chalta chalta thashe mari Diksha,
Jai jai ho Diksharthi no, jai jai ho Diksharthi no, jai jai ho... (3)
Ek haath ma Rajoharan ane ek haath ma Paatra,
Vihar panthe chalti rehshe mari aatmayatra...
Aho Diksha... (8)

My Sankalp!

Before it's too late... find the true nature of your *Soul!*

Sankalp: I shall perform Dhyan for 5 minutes, everyday with an aim to discover myself.

-Gurubhakt Mehta Parivar

Let's book a confirm ticket to Samavasaran, for our next birth in Param Sanidhya of.... Shree Simandhar Swami by....

मोक्ष की तीव्र इच्छा रखें Keep an desire to reach Moksh	तपस्या करें Do Penance/Tapp	गुरुवाणी सुने Hear discourses	गुरु वाणी का अमल करें Imply discourses	इन्द्रियों पर नियंत्रण रखे Control your senses
		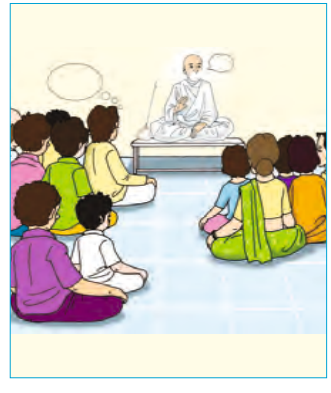		

जीवों को अभयदान दे Give Abhaydaan	स्वाध्याय करें Do Religious study	सेवा करें Perform seva	गुस्से पर नियंत्रण करें Control your anger	सहानुभुति रखें Be sympathetic
				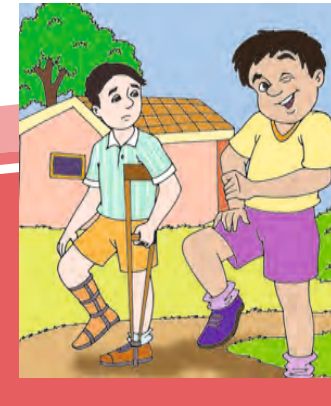

सरल स्वभावी बनें
Be simple

संतुष्ट रहे
Be happy with what you have

क्षमा करें
Forgive others

माफी माँगे
Seek forgiveness

पच्चक्खाण का पालन करें
Take Pachakhan

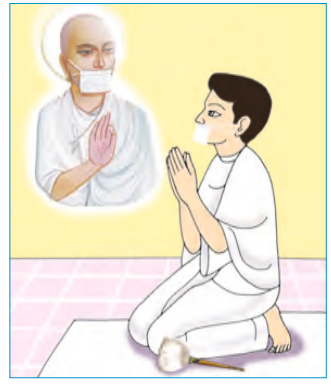

सुपात्रदान दे
Offer Supatradaan

खाना खाते समय सुपात्रदान की भावना करें
Pray before eating

शिष्टतापूर्वक बात करें
Talk politely

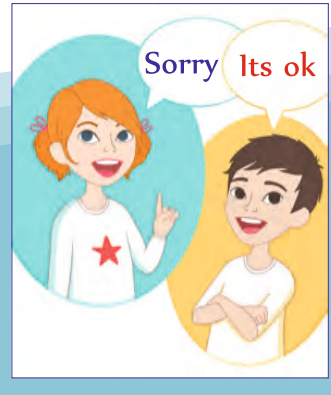

जरुरतमंद की मदद करें
Help the needy

बडों का सन्मान करे
Respect elders

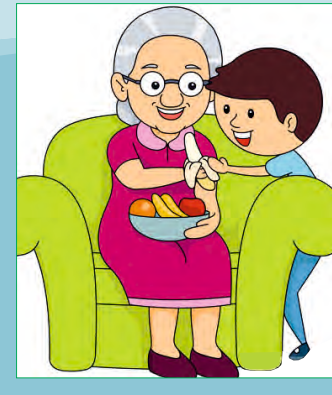

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol.: 15, Issue: 12, Date:.10.01.2021, Postal Registration No. MNE/171/2021-23.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
License to post without prepayment, WPP license No. MR/Tech/WPP-273/NE/2021-23.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

॥ પૂજ્ય ડુંગર-જય-માણેક-પ્રાણ-રતિ ગુરુભ્યો નમ: ॥ ॥ શ્રી મહાવીરાય નમ: ॥ ॥ શ્રી જશ-ઉત્તમ પ્રાણ ગુરુભ્યો નમ: ॥

ગિરનાર પધારશો જી

શ્રી ગિરનાર જૈન દીક્ષા મહોત્સવ સમિતિના ઉપક્રમે

તપસમ્રાટ પૂજ્ય ગુરુદેવ શ્રી રતિલાલજી મહારાજ સાહેબના કૃપાપાત્ર સુશિષ્ય

રાષ્ટ્રસંત પરમ ગુરુદેવ શ્રી નમ્રમુનિ મહારાજ સાહેબના પરમ શરણમાં

આત્મયાત્રામાં આગેકૂચ કરનાર 9 પરમ યાત્રિકોનો

WE JAIN
ONE JAIN

આત્મયાત્રા
દીક્ષા મહોત્સવ

14th Feb,2021 | GIRNAR

અભયદયાણં - આત્મકલ્યાણં

અહો !
તે માંગલ્ય દિન
14th FEB 2021
રવિવાર

• નિમંત્રક •
શ્રી દીક્ષાર્થી પરિવાર,
શ્રી ગિરનાર જૈન દીક્ષા મહોત્સવ સમિતિ

અહો !
તે માંગલ્ય ઘડી
સવારે 08:30
કલાકે

દીક્ષા અંગે માર્ગદર્શન: +91 73030 00111 / 444

દીક્ષા સ્થળ: નેમ દરબાર, ગિરનાર તળેટી, જૂનાગઢ

Join LIVE live.parasdham.org | facebook.com/ParasdhamIndia | youtube.com/ParasdhamTV

Printed, Published and Owned by Ashok R. Sheth,
Printed at : Arihant Printing Press, B/ H, 310, Trikal Building, Pant Nagar, Ghatkopar (East), Mumbai 400 075.
Published from : 20, Vanik Niwas, Kama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai 400 086. Editor : Ashok R Sheth